आवारा कुक्कुर बनाम Dog lover

डॉ अमित कुमार सिंह
लेखाकार, पी.जी.कालेज,
भुड़कुड़ा,ग़ाज़ीपुर

कोर्ट का आदेश आया, आवारा कुत्तों को पकड़ा जाये...
सो म्युनिसपैलिटी ने तेजी दिखाई और घोषणा करा दिया ..
शहर से आवारा कुत्तों को; पकड़ के लाइए इनाम पाइए...
मगर ये नहीं लिखा था,, कि काट ले तो कहाँ जाइए?
एक कर्मचारी को ये सौदा बहुत भाया ।
दस बीस कुत्ते रोज पकड़ने का प्लान बनाया ,,
ढूँढते-ढूँढते जब कहीं कुछ भी नहीं मिला ,
तो आकर सड़क के किनारे के एक पत्थर पर आ बैठा वो ; परेशान
अचानक सामने के मकान
से एक कुत्ते की आवाज आई ।
उसके आँखो में चमक आई ,,
बड़ी खुशी से उसने घंटी बजाई;
अंदर से एक बूढ़े की आवाज आई,
अरे कौन हो भाई?
उसने उनको पास बुलाया,,
आवारा कुत्ते की डिमाण्ड बताया,,
लालच का पुलाव भी खिलाया;
बूढ़े कुत्ते लवर ने अपना सिर खुजलाया..
थोड़ा खाँसते-खाँसते बताया..
बरखुरदार यहां हम तीन ही रहते हैं
मैं ,मेरा कुत्ता ,और मेरा बेटा
पर बड़ी असमंजस की बात है
जो आवारा है वो कुत्ता नहीं ,
और जो कुत्ता है आवारा नहीं
और मैं तो दोनों में से कुछ भी नहीं हूँ,,
क्या तुम मेरी मुश्किल सुलझाओगे?
इनमें से किसको साथ ले जाओगे?
कर्मचारी जैसे नींद से जागा
वहां से उल्टे पांव भागा।

***